मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 4

MJY–001

स्नातकोत्तर कला उपाधि (ज्योतिष)

(एम.ए.जे.वाई.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2025

एम.जे.वाई.–001 : भारतीय ज्योतिष का परिचय एवं ऐतिहासिकता

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *यह प्रश्न-पत्र कुल दो खण्डों में विभक्त है। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं। खण्डों में दिये गये निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

खण्ड—क

निर्देश : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***तीन*** *प्रश्नों के विस्तृत उत्तर दीजिए। प्रत्येक के लिए 20 अंक निर्धारित हैं।*

$20 \times 3 = 60$

1. ज्योतिषशास्त्र का विस्तृत परिचय देते हुए ज्योतिषशास्त्र की वेदाङ्गता पर प्रकाश डालिए।
2. शिक्षा के क्षेत्र में ज्योतिषशास्त्र की उपयोगिता पर विस्तृत परिचर्चा प्रस्तुत कीजिए।
3. पर्यावरण एवं ज्योतिष का क्या सम्बन्ध है? पर्यावरण में ज्योतिष के महत्त्व को रेखांकित कीजिए।
4. स्वास्थ्य के क्षेत्र में ज्योतिष किस प्रकार उपादेय है? चिकित्सा ज्योतिष पर विस्तृत प्रकाश डालिए।
5. ज्योतिषशास्त्र समाज के लिए किस प्रकार उपयोगी है? विस्तृत आलेख प्रस्तुत कीजिए।

6. 'विश्व, सौर परिवार एवं पृथ्वी' विषय पर पाठ्य-पुस्तक की दृष्टि से विस्तृत परिचर्चा प्रस्तुत कीजिए।

खण्ड—ख

निर्देश : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक के लिए 10 अंक निर्धारित हैं।* $4 \times 10 = 40$

1. वैदिक संहिताओं में ज्योतिषशास्त्र के तत्त्वों पर विमर्श प्रस्तुत कीजिए।

2. विभिन्न समस्याओं के समाधान में ज्योतिष की भूमिका पर चर्चा प्रस्तुत कीजिए।

3. संहिता स्कन्ध का परिचय, स्वरूप एवं मुख्य आचार्यों का वर्णन कीजिए।

4. सौर परिवार की अवधारणा एवं स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

5. देश की अवधारणा एवं उनके भेदों पर चर्चा प्रस्तुत कीजिए।

6. दिक् की अवधारणा को प्रस्तुत करते हुए दिक् साधन की रीतियों का वर्णन कीजिए।

7. ज्योतिषशास्त्र के प्रवर्तकों एवं आचार्यों के विषय में वर्णन प्रस्तुत कीजिए।

8. ज्योतिष के बहुस्कन्धात्मक स्वरूप का विवेचन कीजिए।

× × × × ×